लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 21 March 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

शिक्षा में बदलावों की नई इबारत लिख रही एनईपी : प्रमुख सचिव

लखनऊ। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा सुधीर एम बोबड़े ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को युवाओं की आशा व आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इसलिए एनईपी शिक्षा के भविष्य में होने वाले बदलावों की नई इबारत लिखने को तैयार है। वे सोमवार को लविवि में सांख्यिकी विभाग की ओर से नई शिक्षा नीति की उपयोगिता और प्रभाव विषय पर आयोजित सेमिनार में बोल रहे थे। उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि लविवि ने नई शिक्षा नीति को सर्वप्रथम 2020-21 के सत्र में अपने यहां लागू कर दिया था। विवि से संबंधित अन्य पांच जिलों के 542 महाविद्यालयों में भी यह सफलता पूर्वक लागू की जा चुकी है। कार्यक्रम में विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रो. बृजेंद्र सिंह, संयोजक डॉ. शांभवी मिश्रा, कुलसचिव संजय मेधावी, डीन एकेडमिक्स प्रो. पूनम टंडन ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में 142 से अधिक शिक्षाविदों ने नई शिक्षा नीति पर अपने शोध पत्र भी प्रस्तुत किए। इस अवसर पर प्रो. वीके सिंह, डॉ शुभ्रा कटारा, डॉ सुभाष मिश्रा समेत अन्य लोग मौजूद रहे। (संवाद)

मानवाधिकारों में बसती है संविधान की आत्मा : प्रो. झा

लखनऊ। भारतीय संविधान की मूल आत्मा मानवाधिकारों में बसती है। ऐसे में हर व्यक्ति को मानव अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए। ये बातें दिल्ली विवि के विधि विभाग के प्रोफेसर अनुपम झा ने कहीं। वे सोमवार को लविवि के द्वितीय परिसर में विधि संकाय की ओर से मानव अधिकार समकालीन संवाद विषय पर आयोजित परिचर्चा में बोल रहे थे। संयोजक प्रो. विनीता काचर, संकायध्यक्ष प्रो. बीडी सिंह, प्रो. सतीश चंद्रा, डॉ. आलोक यादव, डॉ. अभिषेक तिवारी, डॉ. अर्चना सिंह व डॉ. किरन शर्मा मौजूद रहे। (संवाद)

पुराने डिग्रीधारकों का भी स्नातक चौथे साल में होगा सीधे दाखिला

नई शिक्षा नीति के तहत लैटरल एंट्री के लिए लखनऊ विवि ने बनाई समिति

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। पूर्व में स्नातक डिग्री हासिल कर चुके विद्यार्थियों को लखनऊ विवि नई शिक्षा नीति के तहत स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले का मौका देगा। दाखिले के बाद उनको स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों की डिग्री मिल जाएगी। लविवि लैटरल एंट्री की व्यवस्था के तहत अपने यहां यह व्यवस्था करने जा रहा है।

यह व्यवस्था लागू होने के बाद पूर्व में स्नातक की डिग्री हासिल कर चुके विद्यार्थी चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में सीधे चौथे वर्ष में दाखिला ले सकेंगे। इसके बाद उनको चार वर्षीय स्नातक की डिग्री हासिल हो जाएगी और वे एक वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम में दाखिला पाने के लिए अर्ह हो जाएंगे।

लविवि के कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि विश्वविद्यालय ने देश भर में सबसे पहले नई शिक्षा नीति पूरी तरह से लागू की थी। इसके बाद यहां पर चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम शुरू कर

चौथे साल में दाखिला पाने के बाद एक वर्षीय परास्नातक कोर्स में मिलेगा प्रवेश

दिया गया। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें लैटरल एंट्री की व्यवस्था भी है। मतलब अगर कोई विद्यार्थी बीच में ही अपनी पढ़ाई छोड़ देता है और बाद में दोबारा पढ़ाई शुरू करना चाहता है तो उसे प्रथम वर्ष में दाखिला नहीं लेना होगा। इसके बजाय जिस वर्ष तक उसने पढ़ाई पूरी कर ली होगी, उसके अगले वर्ष में ही उसे दाखिला मिल जाएगा। इस तरह फिर से उसकी पढ़ाई शुरू हो जाएगी। विवि अनुदान आयोग ने हाल में ही स्नातक चार वर्षीय पाठ्यक्रमों में कुछ बदलाव किए हैं। इसके लिए लविवि में समिति बनाई गई है। इसमें इस बात को भी शामिल किया जा रहा है कि तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यकम के डिग्रीधारकों को भी चौथे साल में दाखिला देकर नई शिक्षा नीति के तहत डिग्री दे दी जाए। इस तरह वे नई शिक्षा नीति के तहत परास्नातक डिग्री हासिल करने के लिए भी योग्य हो जाएंगे।

मल्टी एग्जिट में हर साल पाठ्यक्रम छोड़ने का मौका

लविवि में जारी मौजूदा व्यवस्था के अनुसार चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में दाखिला लेने वाले हर विद्यार्थी को हर साल कोर्स छोड़ने का मौका मिलता है। पहले साल के बाद कोर्स छोड़ने पर उसे सर्टिफिकेट दिया जाएगा। दूसरे साल की पढ़ाई पूरी करने पर उसे डिप्लोमा और तीसरे साल पर डिग्री प्रदान की जाएगी। चौथे साल पढ़ाई जारी करने पर उसे डिग्री विद रिसर्च की उपाधि मिल जाएगी। यह डिग्री हासिल करने के बाद अगर उसे परास्नातक की पढ़ाई करनी है तो फिर महज एक साल की पढ़ाई के बाद ही उसे उपाधि मिल जाएगी।

लविवि में अभी तक एक वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम में दाखिला शुरू नहीं हुआ है। इसका सिलेबस तैयार किया जा रहा है। इसके बाद जुलाई में शुरू होने वाले नए सत्र से एक वर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम में दाखिले शुरू हो जाएंगे।

NBT PAGE 6

'मानवाधिकार का हमेशा ध्यान रखना चाहिए'

■ एनबीटी सं, लखनऊ : एलयू के विधि संकाय में सोमवार को 'मानवाधिकारः समकालीन संवाद' विषय पर हुई संगोष्ठी में मुख्य वक्ता दिल्ली विवि के प्रो. अनुपम झा ने कहा कि मौजूदा समय में मानवाधिकार को ध्यान में रखकर ही कोई कार्य करना चाहिए। उन्होंने मानवाधिकार के कई विंदुओं पर विस्तार से चर्चा की और वताया कि मानवाधिकार क्या है, उसकी आवश्यकता क्या है? इस मौके पर संयोजक प्रो. विनीता काचर, संकायाध्यक्ष प्रो. वीडी सिंह, डॉ. अभिषेक तिवारी, प्रो. सतीश चंद्र, डॉ. आलोक यादव, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. किरन शर्मा समेत कई छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति है उपयोगी : एलयू के सांख्यिकी विभाग में इम्प्लीमेन्टेशन एण्ड इम्पैक्ट ऑफ नेशनल एजुकेशन पॉलिसी-2020 इन हायर एजुकेशन विषय पर सोमवार को राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि देश में सबसे पहले एलयू में एनईपी के तहत कई नए प्रयोग किए जा रहे है।

JAGRAN CITY PAGE I, III

प्री-पीएचडी कोर्स वर्क की परीक्षा 27, 29 को

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग ने प्री पीएचडी कोर्स 2021-22 की लिखित परीक्षा का कार्यक्रम सोमवार को जारी कर दिया। विभागाध्यक्ष प्रो. एम सेराजुद्दीन ने बताया कि प्रथम प्रश्न पत्र की परीक्षा 27 मार्च को सुबह 11 से दोपहर दो बजे तक और द्वितीय प्रश्न पत्र की परीक्षा 11 से दोपहर दो बजे तक होगी। (जास)

मानवाधिकार पर चर्चा

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की ओर से लेक्चर सीरीज के अंतर्गत सोमवार को मानवाधिकार : समकालीन संवाद विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय के प्रोफेसर अनुपम झा थे। उन्होंने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मानवाधिकार की आवश्यकता, काम करने तरीके व विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा किया। (जास)

परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीटेक, एमसीए, बीफार्मा, डीफार्मा सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों की विषम सेमेस्टर सेमेस्टर परीक्षाओं के प्रवेश पत्र जारी कर दिए हैं। इंजीनियरिंग संकाय के डीन प्रोफेसर एके सिंह ने बताया कि छात्र-छात्राएं अपनी लाग इन आइडी के माध्यम से इसे डाउनलोड कर सकते हैं। बीटेक और एमसीए की परीक्षाएं 23 मार्च और बीफार्मा प्रथम सेमेस्टर (रेगुलर) की परीक्षा 25 से शुरू होगी। (जास)

'नई शिक्षा नीति से बदल रही है शिक्षा की तस्वीर'

जासं, लखनऊ : प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा डा. सुधीर एम बोबड़े ने कहा कि उच्च शिक्षा में नई शिक्षा नीति पर काम शुरू हो गया है। स्नातक, परास्नातक में इसके तहत पाठ्यक्रम भी तैयार किए गए हैं, लगातार कोर्स अपडेट भी किए जा रहे हैं। आने वाले समय में नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन से शिक्षा की पूरी तस्वीर बदलेगी। वह लखनऊ विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग में उच्च शिक्षा में नई शिक्षा नीति के प्रभाव व क्रियान्वयन पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में बोल रहे थे।

कुलपति प्रो. आलोक राय ने बताया कि देश में सबसे पहले लखनऊ विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति- 2020 सत्र 2020-21 में लागू कर दी गई। विज्ञान संकाय के चेयरपर्सन प्रो. ब्रजेंद्र सिंह, संयोजक डा. शाम्भवी मिश्रा, प्रो. मसूद एच सिद्दीकी ने भी विचार रखे।

उपलब्धियां बताईं: पैनल चर्चा में दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. वीके सिंह, बरेली कालेज की डा. शुभ्रा कटारा, बीबीएयू के डा. सुभाष मिश्र, डा. शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष प्रो. रजानी रंजनसिंह, जी 20 की ब्रांड एम्बेसडर तूलिका रानी ने नई शिक्षा नीति की भविष्य में होने वाली उपलब्धियों को बताया।

PIONEER PAGE 3

राजभवन की पेंटिंग बढ़ाएंगी टैगोर लाइब्रेरी की खूबसूरती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजभवन में एतिहासिक धरोहर के रूप में कैनवास पर उकेरी गई कुछ कलाकृतियां लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगोर लाइब्रेरी की शोभा बढ़ाएंगी। राजभवन की तरफ से विवि के घटक के रूप में स्थापित कला एवं शिल्प महाविद्यालय को पांच पेंटिंग भेंट की गयी है। इन पेंटिंग को संरक्षित कराकर टैगोर लाइब्रेरी में रखने को कहा गया है।

राजभवन से कला एवं शिल्प महाविद्यालय पहुँची इन कलाकृतियों के संरक्षण पर कुल 16.5 लाख रुपए के खर्च होने की संभावना जताई गई है। इन कलाकृतियों को संरक्षण के उपरांत टैगोर पुस्तकालय में धरोहर के रूप में रखा जायेगा।

यह है इनका इतिहास

प्राप्त जानकारी के अनुसार कलाकृतियों में कैनवास पर उकेरी गई एक पेंटिंग किंग जार्ज पंचम की पत्नी मैरी ने प्रथम विश्व युद्ध और उसके बाद ब्रिटेन का नेतृत्व करने में किंग जार्ज पंचम की काफी मदद की। 1936 में किंग जार्ज की मौत के बाद मैरी अपने शेष जीवन के लिए राजशाही की वफादार बनी रहीं।

1952 में अपनी असामयिक मृत्यु तक किंग जॉर्ज छठें की रानी माँ के रूप में सेवा की और अपनी पोती एलिजाबेथ के सिंहासन पर बैठने के लिए काफी समय तक जीवित रहीं। एक अन्य पेंटिंग जूडिथ विथ द हेड आफ होलोफर्नेस की है। यह पेंटिंग 1610 से 1612 के बीच फ्लोरेंटाइन कलाकार क्रिस्टोफानी एलोरी की सबसे प्रसिद्ध पेंटिंग है। यह पेंटिंग किवदंतियों के अनुसार बाइबिल की नायिका जूडिथ से संबंधित है। तीसरी पेंटिंग हॉउस आफ विंडसर से संबंधित है। जिसमें यूके क्वींस के राज्याभिषेक से संबंधित है।

एप्लीकेशन आधारित शिक्षा को प्रमोट करेगा लविवि

लखनऊ। उच्च शिक्षा में गुणवत्ता को लेकर राजभवन की तरफ से सभी राज्य विश्वविद्यालयों से मांगे गये दस वर्षीय विजन प्लान के तहत लखनऊ विवि का स्टेटिक्स डिपार्टमेंट अप्लीकेशन आधारित शिक्षा को बढ़ावा देगा। अभी तक एनालिटिक एंड डेटा साइंस थियरी पर आधारित थे लेकिन समय के साथ विभाग ने इसमें अप्लीकेशन का पार्ट बढ़ाने का निर्णय लिया है। नई शिक्षा नीति के तहत एजूकेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम, सर्टिफिकेट और डिप्लोमा तथा पीएचडी कोर्स का जिक्र किया गया है। विभाग प्रमुख डॉ. मसूद हुसैन सिद्दीकी का कहना है कि टीचिंग एंड लर्निंग में आईसीटी के टूल्स का प्रयोग करने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत रिसर्च को अप्लीकेशन के जरिए फोकस किया जायेगा। जिससे डेटा एनालिसिस और एमएसएमई और रूरल एंड कारपोरेट सेक्टर को मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि साफ्टवेयर के अप्लीकेशन से मैथ्स का टूल खत्म हो जाता है। दस वर्षीय विजन प्लान को लेकर उन्होंने बताया कि डिजिटल क्लास रूम के साथ ही सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन फैसल्टी को बढ़ावा देने का निर्णय लिया गया है। एमएसएमई के जरिए इंटरप्रेन्योर, इंक्यूबेशन और रूरल सेक्टर को सपोर्ट किया जायेगा। विभाग में स्टेटिक्स कम्प्यूटिंग फैसल्टी बढ़ाई जायेगी। विभाग स्तर पर ट्रेनिंग प्रोग्राम संचालित किये जायेंगे। जिसमें गवर्मेंट सेक्टर के लोगों के साथ ही कारपोरेट सेक्टर को मदद मिलेगी।

● सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन फैसल्टी से डेटा एनालिसिस में होगी आसानी

TOI PAGE 3

LU to seek ₹100 from all admission seekers

'Applicable For Affiliated Colleges'

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University has made it mandatory for candidates applying for admission to its affiliated colleges in five districts under its jurisdiction to first register themselves at LU admission portal and pay Rs 100 as fee.

The rule, however, will not be applicable on candidates seeking admission in National PG College because it enjoys autonomous status.

Altogether 544 colleges in Lucknow, Sitapur, Hardoi, Lakhimpur Kheri and Rae Bareli are affiliated to LU.

The decision was taken at a meeting held on Monday in which it was also decided that the varsity will start the admission process for 2023-2024 by the end of this week.

"Every candidate applying for admission in LU or any of its affiliated colleges in five districts, barring National PG College, will have to register with the LU admission portal first by paying a nominal fee of Rs 100. The decision has been taken so that the university has data and information about every candidate applying and taking admission in all the affiliated colleges," said LU vice-chancellor Prof AK Rai.

He said that the university so far had no information about the number of students in colleges until examination forms were filled. All that a candidate needs to do now is to register at LU's admission portal by entering complete academic details. Thereafter a registration number will be generated which a candidate has to use for applying for admission in colleges, he added.

"This practice will help us in student's verification and check any anomaly in admissions in college. This practice has been adopted by several state universities and now LU has decided to implement it from the academic session 2023-24," he said.

He also informed that like previous years, LU will conduct a centralized admission process for its courses and colleges which will opt for it. A candidate will have to fill only one form for admission in LU or any of the empaneled colleges.

NEW FEE

- LU will charge ₹100 as registration fee for admission to affiliated colleges in 5 districts
- Total 544 colleges in Lucknow, Sitapur, Hardoi, Kheri and Rae Bareli are affiliated to LU
- LU will start admission process for 2023-24 this week